Model Set for Secondary Annual Examination 2018

SSC – SOCIAL SCIENCE

सामाजिक विज्ञान

Total Questions : 63 **Full Marks : 80**

परीक्षार्थी के लिए निर्देश :

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. दाहिनी ओर हाशिए पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. उत्तर देते समय परीक्षार्थी यथासंभव शब्द–सीमा का ध्यान रखें।
5. इस प्रश्न पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाता है।

ग्रुप – अ – बहुविकल्पीय प्रश्न

(इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र एवं आपदा प्रबंधन)

कुल अंक : 40X1=40

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें:

1. यूरोपवासियों के लिए किस देश का साहित्य एवं ज्ञान विज्ञान प्रेरणा का स्त्रोत रहा ?

(क) जर्मनी (ख) यूनान (ग) तुर्की (घ) इंग्लैंड

2. इटली एवं जर्मनी वर्तमान में किस महादेश के अंतर्गत आते हैं ?

(क) उत्तरी अमेरिका (ख) दक्षिण अमेरिका

(ग) यूरोप (घ) पश्चिम एशिया

3. रूस में जार का अर्थ होता है।

(क) पीने का बर्तन (ख) पानी रखने का मिट्टी का पात्र

(ग) रूस का सामन्त (घ) रूस का सम्राट

4. हिन्द–चीन क्षेत्र में कौन–कौन से देश आते हैं?

(क) चीन, वियतनाम, लाओस

(ख) हिन्द–चीन, वियतनाम, लाओस

(ग) कम्बोडिया, वियतनाम, लाओस

(घ) कम्बोडिया, वियतनाम, चीन, थाईलैण्ड

BiharboardQuestionpaper.com

5. बल्लभ भाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि किस किसान आंदोलन के दौरान दी गई?

(क) बारदोली (ख) अहमदाबाद (ग) खेड़ा (घ) चम्पारण

6. जनसंख्या का घनत्व सबसे अधिक कहाँ होता है?

(क) ग्राम (ख) कस्बा (ग) नगर (घ) महानगर

7. भारत के लिए पहला फैक्ट्री एक्ट किस वर्ष पारित हुआ?

(क) 1838 (ख) 1958 (ग) 1881 (घ) 1911

8. 'गिरमिटिया मजदूर' बिहार के किस क्षेत्र से भेजे जाते थे?

(क) पूर्वी क्षेत्र (ख) उत्तरी क्षेत्र (ग) दक्षिणी क्षेत्र (घ) पश्चिमी क्षेत्र

9. वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट से बचने के लिए किस पत्र ने रातों–रात अपनी भाषा बदल दी?

(क) हरिजन (ख) भारतमित्र

(ग) अमृत बाजार पत्रिका (घ) हिन्दुस्तान रिव्यू

10. पूर्ण स्वराज्य की मांग का प्रस्ताव कांग्रेस के किस अधिवेशन में पारित हुआ?

(क) लाहौर अधिवेशन (ख) लखनऊ अधिवेशन

(ग) गया अधिवेशन (घ) बम्बई अधिवेशन

11. भारत के किस स्थान पर पहला परमाणु ऊर्जा केन्द्र स्थापित किया गया था?

(क) कलपक्कम (ख) नरोरा (ग) राणा प्रताप सागर (घ) तारापुर

12. प्राकृतिक गैस किस खनिज के साथ पाया जाता है?

(क) यूरेनियम (ख) पेट्रोलियम (ग) चूना पत्थर (घ) कोयला

13. ऊर्जा का गैर–पारम्परिक स्रोत है–

(क) कोयला (ख) विद्युत (ग) पेट्रोलियम (घ) सौर ऊर्जा

14. भोपाल त्रासदी में किस गैस का रिसाव हुआ था?

(क) कार्बन डाइऑक्साइड (ख) कार्बन मोनो ऑक्साइड

(ग) मिथाईल आइसो साइनाईट (घ) सल्फर डाइऑक्साइड

15. फाल्टा विशेष आर्थिक क्षेत्र कहाँ स्थित है?

(क) बिहार (ख) पश्चिम बंगाल (ग) केरल (घ) उड़ीसा

16. संजय गाँधी जैविक उद्यान किस नगर में स्थित है?

BiharboardQuestionpaper.com

(क) राजगीर (ख) बोधगया (ग) बिहारशरीफ (घ) पटना

17. मंदार हिल किस जिला में स्थित है?

(क) मुंगेर (ख) भागलपुर (ग) बाँका (घ) बक्सर

18. उच्चावच्च प्रदर्शन के लिए हैश्यूर विधि का विकास किसने किया था?

(क) गुटेनबर्ग (ख) लेहमान (ग) गिगर (घ) रिटर

19. सासाराम नगर का विकास हुआ था –

(क) मध्य युग में (ख) प्राचीन युग में

(ग) वर्तमान युग में (घ) आधुनिक समय में

20. सीमेंट उद्योग का सबसे प्रमुख कच्चा माल क्या है?

(क) चूना पत्थर (ख) बॉक्साइट (ग) ग्रेनाइट (घ) लोहा

21. भारत में राष्ट्रीय स्तर पर पंचायती राज की स्थापना कब हुई?

(क) 1959 (ख) 1969 (ग) 1979 (घ) 1989

22. बिहार में पंचायती राज का स्वरूप है –

(क) ग्राम पंचायत (ख) पंचायत समिति (ग) जिला परिषद् (घ) इनमें सभी

23. 'इंडिका' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(क) मेगास्थनीज (ख) कमल किशोर शर्मा

(ग) एस0 एम0 सिंह (घ) कोई नहीं

24. भारत में सर्वप्रथम नगर निगम की स्थापना की गई –

(क) चेन्नई (ख) मुम्बई (ग) कोलकाता (घ) दिल्ली

25. संघ सरकार का उदाहरण है –

(क) अमेरिका (ख) चीन (ग) ब्रिटेन (घ) कोई नहीं

26. "चिपको आन्दोलन" का प्रारंभ किस राज्य से हुआ?

(क) बिहार (ख) मध्य प्रदेश (ग) उत्तर प्रदेश (घ) उत्तराखण्ड

27. "नर्मदा बचाओ आन्दोलन" संबंधित है –

(क) पर्यावरण (ख) शिक्षा (ग) भ्रमण (घ) उर्वरक

28. "सूचना का अधिकार" कानून कब लागू हुआ।

(क) 2004 (ख) 2005 (ग) 2006 (घ) 2007

29. बिहार में सम्पूर्ण क्रांति का नेतृत्व किसने किया।

BiharboardQuestionpaper.com

(क) मोरारजी देसाई (ख) नीतीश कुमार
(ग) इंदिरा गाँधी (घ) जयप्रकाश नारायण

30. निम्न को प्राथमिक क्षेत्र कहा जाता है –
(क) सेवा क्षेत्र (ख) मछली पालन (ग) औद्योगिक क्षेत्र (घ) कोई नहीं

31. योजना आयोग का अध्यक्ष कौन होता है?
(क) मुख्यमंत्री (ख) प्रधानमंत्री (ग) राज्यपाल (घ) अर्थशास्त्री

32. भारत में वित्तीय वर्ष होता है –
(क) 1 अप्रैल से 31 मार्च तक (ख) 10 अप्रैल 31 मार्च तक
(ग) 15 अप्रैल से 31 मार्च तक (घ) 20 अप्रैल से 31 मार्च तक

33. दादाभाई नौरोजी ने सर्वप्रथम राष्ट्रीय आय का अनुमान कब लगाया था?
(क) 1868 ई0 (ख) 1968 ई0 (ग) 1878 ई0 (घ) 1998 ई0

34. मुद्रा के कार्य है –
(क) मापन (ख) संचय (ग) भुगतान (घ) इनमें सभी

35. भारत की वित्तीय राजधानी किस शहर को कहा गया है?
(क) मुम्बई (ख) पटना (ग) गया (घ) दिल्ली

36. कौन बीमारू (BIMARU) राज्य नहीं है –
(क) बिहार (ख) कर्नाटक (ग) उड़ीसा (घ) मध्य प्रदेश

37. इनमें से कौन बहुराष्ट्रीय कम्पनी नहीं है –
(क) फोर्ड मोटर्स (ख) सैमसंग (ग) कोका–कोला (घ) संतोष

38. भारत में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की घोषणा कब हुई?
(क) 1986 (ख) 1970 (ग) 1980 (घ) 1992

39. महासागर के तली पर होने वाले कंपन को किस नाम से जाना जाता है?
(क) भूकम्प (ख) चक्रवात (ग) सुनामी (घ) कोई नहीं

40. मलबे के नीचे दबे हुए लोगों का पता लगाने के लिए किस यंत्र की मदद ली जाती है?
(क) दूरबीन (ख) इन्फ्रारेड कैमरा (ग) हेलीकॉप्टर (घ) टेलीस्कोप

BiharboardQuestionpaper.com

ग्रुप – ब – लघु उत्तरीय प्रश्न

कुल अंक : 12x2=24

लघु उत्तरीय प्रश्नों में किन्हीं तीन का उत्तर 50–60 शब्दों में दें।

इतिहास

3x2=6

41. गैरीबाल्डी के कार्यों की चर्चा करें।
42. रूसीकरण की नीति क्रांति हेतु कहाँ तक उत्तरदायी थी?
43. रासायनिक हथियारों एवं एजेन्ट ऑरेंज का वर्णन करें।
44. बिहार के चम्पारण आंदोलन पर एक टिप्पणी लिखें।
45. विश्व बाजार के लाभ एवं हानि पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

भूगोल

46. कोयले के विभिन्न प्रकारों के नाम लिखें। 3x2=6
47. भारतीय कृषि की पाँच प्रमुख विशेषताओं का लिखिए।
48. सार्वजनिक एवं निजी उद्योग में अंतर स्पष्ट करें।
49. भारत की निर्यात एवं आयात की जाने वाली वस्तुओं का उल्लेख करें।
50. बिहार में धान की फसल के लिए उपयुक्त भौगोलिक दशाओं का उल्लेख करें।

राजनीति विज्ञान

किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर 50–60 शब्दों में दें। 2x2=4

51. लैंगिक असमानता क्या है?
52. ग्राम रक्षा दल से क्या समझते हैं?
53. "वंशवाद" से क्या समझते हैं?

अर्थशास्त्र

2x2=4

54. अर्थव्यवस्था किसे कहते हैं?
55. बचत क्या है?
56. विश्व व्यापार संगठन (WTO) क्या है?

आपदा प्रबंधन

57. बाढ़ की स्थिति में अपनाये जाने वाले आकस्मिक प्रबंधन का संक्षेप में वर्णन करें। 2x2=4

BiharboardQuestionpaper.com

BiharboardQuestionpaper.com

58. भूकम्पीय तरंगों से आप क्या समझते हैं? प्रमुख भूकम्पीय तरंगों के नाम लिखिए।

59. सुखाड़ में मिट्टी की नमी को बनाये रखने के लिए आप क्या करेंगे?

ग्रुप – ब – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

कुल अंक : 4x4=16

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर 150–200 शब्दों में दें।

(इतिहास)

60. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में गाँधी जी के योगदान की व्याख्या करें।

अथवा,

उपनिवेशवाद से आप क्या समझते हैं? औद्योगीकरण ने उपनिवेशवाद को जन्म दिया, कैसे?

(भूगोल)

61. भारत में लौह–अयस्क के वितरण पर प्रकाश डालिए।

अथवा,

भारत के मानचित्र पर पूर्वी एवं पश्चिमी तट पर स्थित तीन–तीन प्रमुख बंदरगाहों को नाम के साथ दर्शाएँ।

(राजनीति विज्ञान)

62. राजनीतिक दल को "लोकतंत्र का प्राण" क्यों कहा जाता है?

अथवा,

संघीय व्यवस्था राष्ट्रीय एकता के मूल्यों के संवर्धन में सहायक है, कैसे?

(अर्थशास्त्र)

63. बिहार में वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभावों को लिखें।

अथवा,

व्यावसायिक बैंक के प्रमुख कार्यो का उल्लेख करें।

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्नोत्तर

ग्रुप – 'अ' (बहुविकल्पीय उत्तर)

उ. 1. (ख)
उ. 2. (ग)
उ. 3. (घ)
उ. 4. (ग)
उ. 5. (क)
उ. 6. (घ)
उ. 7. (ग)
उ. 8. (घ)
उ. 9. (ग)
उ. 10. (क)
उ. 11. (घ)
उ. 12. (ख)
उ. 13. (घ)
उ. 14. (ग)
उ. 15. (ख)
उ. 16. (घ)
उ. 17. (ग)
उ. 18. (ख)
उ. 19. (क)
उ. 20. (क)
उ. 21. (क)
उ. 22. (घ)
उ. 23. (क)
उ. 24. (क)
उ. 25. (क)

BiharboardQuestionpaper.com

BiharboardQuestionpaper.com

बिहार बोर्ड के नए और पुराने ऑफिसियल क्वेश्चन पेपर, मॉडल पेपर, आंसर-की, पाठ्यक्रम, नोट्स, मॉक टेस्ट, सेंट-अप और प्रैक्टिकल परीक्षा प्रश्न पत्र आदि के लिए...

BiharboardQuestionpaper.com

अभी विजिट करें ..

उ. 26. (घ)

उ. 27. (क)

उ. 28. (ख)

उ. 29. (घ)

उ. 30. (ख)

उ. 31. (ख)

उ. 32. (क)

उ. 33. (क)

उ. 34. (घ)

उ. 35. (क)

उ. 36. (ख)

उ. 37. (घ)

उ. 38. (क)

उ. 39. (ग)

उ. 40. (ख)

ग्रुप – 'ब' (लघु उत्तरीय उत्तर)

उ. 41. महान क्रांतिकारी गैरीबाल्डी एक नाविक था। प्रारंभ में वह मेजिनी के विचारों का समर्थक था लेकिन बाद में काबूर के विचारों से प्रभावित होकर संवैधानिक राजतंत्र की वकालत करने लगा। उसने अपने स्वयंसेवकों की एक सेना बनायी और सिसली तथा नेपल्स पर आक्रमण कर वहाँ गणतंत्र की स्थापना की। काउण्ट काबूर द्वारा रोम पर आक्रमण की योजना के विरोध के कारण गैरीबाल्डी ने रोम अभियान को त्याग दिया। दक्षिणी इटली के जीते गये क्षेत्र को बिना किसी संधि के विक्टर इमैनुएल को सौंप दिया। त्याग और बलिदान की सर्वोच्च मिशाल देते हुए उसने अपनी सारी संपत्ति राष्ट्र को सौंप दी।

उ. 42. सोवियत रूस के अंतर्गत कई राष्ट्र शामिल थे। इनमें स्लाव प्रमुख थे तथा फिन, पोल, जर्मन, यहूदी आदि अन्य जातियाँ भी थीं। इन सबकी भाषा एवं जीवन–शैली में काफी भिन्नता थी। जार निकोलस द्वितीय द्वारा जारी रूसीकरण की

BiharboardQuestionpaper.com

नीति के कारण सभी अल्पसंख्यक समूहों की भाषा, संस्कृति तथा शिक्षा व्यवस्था पर खतरा मंडरा रहा था।

इस नीति के खिलाफ 1863 में पोलों ने सर्वप्रथम विद्रोह किया जिसे निर्दयतापूर्वक दमन कर दिया गया। धीरे–धीरे अन्य सभी अल्पसंख्यक समूहों का आक्रोश रूसी राजतंत्र के प्रति बढ़ता चला गया तथा अंततः क्रांति का कारण बना।

उ. 43. वियतनाम युद्ध में अमेरिका द्वारा खतरनाक रासायनिक हथियारों, एजेंट ऑरेंज तथा फास्फोरस बमों का व्यापक प्रयोग किया गया। इन रासायनिक हथियारों में नापाम एक प्रकार का आर्गेनिक कम्पाउंड है जो अग्नि बमों में गैसोलीन के साथ मिलकर एक ऐसा मिश्रण तैयार करता था जो त्वचा से चिपक जाता था और जलता रहता था।

दूसरी तरफ एजेन्ट ऑरेंज एक ऐसा जहर था जिससे पेड़ों की पत्तियाँ झुलस जाती थी एवं पेड़ सूख जाते थे। अमेरिका द्वारा इसका प्रयोग जंगलों, खेतों एवं आबादी तीनों पर व्यापक रूप से किया गया। इस जहर का असर आज भी वहाँ विकलांगता के रूप में नजर आता है।

उ. 44. ब्रिटिश शासन के दौरान बिहार में निलहे गोरों द्वारा तीन कठिया व्यवस्था स्थापित की गई थी, जिसमें किसानों को अपनी भूमि के 3/20 हिस्से पर नील की खेती करनी पड़ती थी। नील की खेती से भूमि बंजर होने लगती थी। इसी कारण चम्पारण के एक किसान, राजकुमार शुक्ल ने महात्मा गाँधी को चम्पारण आने का अनुरोध किया।

वर्ष 1917 में जब गाँधी जी चम्पारण आए तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया तथा किसानों की समस्याओं को जानने की छूट दे दी गई। समस्याओं को समझने के बाद महात्मा गाँधी के दबाव में "चम्पारण एग्रेरियन कमेटी" का गठन किया गया। इस कमेटी ने तीन कठिया व्यवस्था तथा अन्य कर को समाप्त करने की सिफारिश कर दी। इस आन्दोलन में डा0 राजेन्द्र प्रसाद, गोरख प्रसाद, ब्रजकिशोर प्रसाद की भी महत्वपूर्ण भूमिका थी।

उ. 45. औद्योगिक क्रांति ने उत्पादों को बेचने के लिए एक ऐसी बाजार व्यवस्था को जन्म दिया जो विश्व बाजार कहलाया। जैसे–लंदन, मैनचेस्टर, लिवरपुल इत्यादि।

BiharboardQuestionpaper.com

विश्व बाजार के लाभ – विश्व बाजार ने पूँजीपति, मजदूर तथा मध्यम वर्ग नामक तीन शक्तिशाली सामाजिक वर्गों को जन्म दिया। आधुनिक बैंकिंग व्यवस्था, रेल, सड़क, खनन तथा कृषि उत्पादन के क्षेत्र में क्रांतिकारी प्रगति हुई। 19वीं सदी के प्रारंभ से अंत तक विश्व बाजार में लगभग 25 से 40 गुणा की वृद्धि हुई।

विश्व बाजार की हानियाँ – विश्व बाजार ने अफ्रीका एवं एशिया में एक अत्यन्त शोषणकारी व्यवस्था, उपनिवेशवाद को जन्म दिया। विभिन्न देशों के स्थानीय लघु एवं कुटीर उद्योगों को एक व्यवस्थित नीति के तहत समाप्त कर दिया गया। विश्व बाजार ने गरीबी तथा भुखमरी जैसे मानवीय संकटों को भी जन्म दिया।

उ. 46. कोयला एक पारम्परिक ऊर्जा का स्रोत है। इसमें उपस्थित कार्बन की मात्रा के आधार पर चार प्रकारों में बाँटा जा सकता है।

(क) ऐन्थ्रासाइट कोयला – ऐन्थ्रासाइट कोयला सर्वोत्तम कोटि का कोयला होता है जिसमें कार्बन की मात्रा 90 प्रतिशत से अधिक होती है। यह अत्यधिक उष्मा देने के कारण धातु गलाने के काम आता है। इसे कोकिंग कोयला भी कहा जाता है।

(ख) बिटुमिनस कोयला – वैसे कोयले जिसमें कार्बन की मात्रा 70 से 90 प्रतिशत तक हो वे बिटुमिनस श्रेणी के कोयले के अन्तर्गत आते हैं। भारत में अधिकांश कोयला इसी श्रेणी का है। इसे परिष्कृत कर कोकिंग कोयला बनाया जाता है।

(ग) लिग्नाइट कोयला – यह निम्न श्रेणी का कोयला माना जाता है। इसमें कार्बन की मात्रा 30 से 70 प्रतिशत तक होती है। इसे भूरा कोयला भी कहा जाता है।

(घ) पीट कोयला – पीट कोयला अत्यन्त निम्न श्रेणी का कोयला है जो पूर्वी भारत के दलदली क्षेत्रों में पाया जाता है।

उ. 47. भारतीय कृषि की विशेषताएँ निम्नलिखित है –

(क) भारत के लगभग 2/3 भाग लोगों की आजीविका कृषि पर आधारित है।

(ख) राष्ट्र की आय का 24 प्रतिशत हिस्सा कृषि से ही प्राप्त होता है।

(ग) भारत की भौगोलिक विविधता के कारण भारत में विविध फसलों को उगाया जा सकता है।

(घ) भारतीय कृषि के अन्तर्गत खाद्य के साथ–साथ नकदी फसलों को भी उपजाया जाता है।

BiharboardQuestionpaper.com

(ङ) चाय, गन्ना, जूट, तिलहन, तम्बाकू, गेहूँ एवं कपास आदि उत्पादन के क्षेत्र में इसका महत्वपूर्ण स्थान है।

उपरोक्त विशेषताओं के बावजूद भारतीय कृषि आज भी काफी हद तक मानसून पर आधारित है।

उ. 48. सार्वजनिक एवं निजी उद्योगों में अंतर स्वामित्व के आधार पर निर्धारित होता है। वैसे उद्योग जिनका नियंत्रण अथवा स्वामित्व सरकार के हाथ में होता है, उन्हें सार्वजनिक उद्योग कहा जाता है। उदाहरणस्वरूप – NTPC, BHEL, SAIL, CIL, BPCL, IOCL, HPCL, बरौनी खाद कारखाना इत्यादि।

जिन औद्योगिक संस्थाओं का स्वामित्व निजी हाथों में होता है अथवा किसी खास व्यक्ति या व्यक्तियों के हाथों में होता है उसे निजी उद्योग कहा जाता है। ऐसे उद्योग सरकार के नियंत्रण से बाहर होते हैं तथा पर्याप्त लाभ कमाते हैं। उदाहरणस्वरूप–रिलायंस इन्डस्ट्रीज, गोदरेज, रेमण्ड, एसीसी सीमेंट, बिड़ला समूह इत्यादि।

उ. 49. भारत की निर्यात एवं आयात की जाने वाली वस्तुएँ इसके अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर निर्भर करती है। भारत से निर्यात होने वाली वस्तुओं में मुख्यतः इन्जीनियरिंग के सामान, पेट्रोलियम उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, सूती वस्त्र, लौह–अयस्क, खनिज एवं कृषि संबंधी उत्पाद शामिल हैं। भारत में आयात की जाने वाली वस्तुओं में पेट्रोलियम, रासायनिक उर्वरक, सोना, चाँदी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, अलौह धातुएँ, रसायन एवं अन्य वस्तुएँ शामिल हैं। वर्ष 2006–07, 2007–08 के आधार पर भारत में प्रतिकूल व्यापार संतुलन है।

उ. 50. धान एक खरीफ फसल है तथा इसके लिए बिहार में उपयुक्त भौगोलिक दशाएँ निम्नांकित हैं –

(क) तापमान – धान उष्ण कटिबंधीय फसल है। इसे बोते समय 21°C तथा काटते समय 27°C तापमान की आवश्यकता है।

(ख) वर्षा – इसके लिए 125 से0मी0 से 200 से0मी0 वर्षा आवश्यक होती है।

(ग) मिट्टी – इसके लिए उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी चाहिए जो बिहार में भरपूर उपलब्ध है।

BiharboardQuestionpaper.com

(घ) श्रम – धान की खेती में पर्याप्त श्रम लगता है। बिहार में इसके लिए सस्ता श्रम उपलब्ध है।

इस प्रकार यह कह सकते हैं कि बिहार में धान की फसल के लिए अत्यंत अनुकूल दशाएँ हैं।

उ. 51. लैंगिक असमानता सामाजिक असमानता का एक महत्वपूर्ण कारण है। लैंगिक असमानता लिंग के आधार पर भेद–भाव को रखना है। यहाँ स्त्री और पुरूष के जैविक बनावट से नहीं है यद्यपि लैंगिक असमानता सामाजिक संरचना के हर क्षेत्र में दिखाई पड़ता है। आजकल लैंगिक विभेद पर आधारित सामाजिक विभाजन सभी क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है। पालन–पोषण, शिक्षा, कार्य क्षेत्रों सभी जगह लैंगिक भेद–भाव है। वर्तमान में शिक्षा के कारण लैंगिक असमानता घट रही है।

उ. 52. ग्राम पंचायत ग्रामीण क्षेत्रों की स्वायत्त संस्थाओं में सबसे नीचे का स्तर है, लेकिन इसका स्थान सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। ग्राम पंचायतों के प्रमुख अंग में एक अंग ग्राम–रक्षादल भी है। यह गाँव की पुलिस व्यवस्था है जो 18–30 वर्ष के आयु वाले युवक शामिल हो सकते हैं। सुरक्षा दल का एक नेता भी होता है जिसे दलपति कहते हैं। इसके ऊपर गाँव की रक्षा और शांति का उत्तरदायित्व होता है।

उ. 53. भारत के सभी राजनीतिक दलों में नेतृत्व का संकट है अधिकांश राजनीतिक दलों में कोई ऐसा नेता नहीं है जो सर्वमान्य हो। प्रायः सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को यह देखा गया है कि शीर्ष पर बैठे नेता अपने सगे–संबंधियों, दोस्तों और रिश्तेदारों को दल के प्रमुख पदों पर बैठाते हैं और यह सिलसिला पीढ़ी–दर–पीढ़ी कायम रहता है।

सामान्य कार्यकर्ता को दलों में ऊपर के पदों पर बैठने की गुंजाइश काफी कम रहती है। वंशवाद की समाप्ति राजनीतिक दलों के सामने प्रमुख चुनौती है।

उ. 54. दैनिक जीवन में सभी लोग आजीविका के लिए कई प्रकार की आर्थिक क्रियाओं में लगे रहते हैं जिसमें वस्तु एवं सेवाओं का उत्पादन होता है उत्पादन के फलस्वरूप आय की प्राप्ति होती है। अर्थव्यवस्था का अर्थ उस व्यवस्था से है जिसके अन्तर्गत आर्थिक क्रियाकलाप के द्वारा हम अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। अर्थव्यवस्था जीवन–यापन के लिए अपनाई गई आर्थिक व्यवस्था है।

BiharboardQuestionpaper.com

उ. 55. हम अपनी आय (Income) को वस्तुओं एवं सेवाओं पर खर्च करते हैं जिसे उपभोग कहते हैं। दूसरे शब्दों में आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया गया खर्च ही उपभोग है और आय एवं उपभोग का अंतर ही बचत कहलाता है।

बचत = आय – उपभोग

उ. 56. विश्व व्यापार संगठन (W.T.O. – World Trade Organization) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन है जिसका लक्ष्य व्यापार को उदार तथा लचीला बनाना है। इसकी स्थापना जनवरी 1995 में की गई थी। भारत इसका संस्थापक सदस्य रहा है। इसका मुख्यालय जेनेवा में है। यह सभी देशों से मुक्त व्यापार की सुविधा देता है। किन्तु विकसित देशों के द्वारा कुछ व्यापार अवरोधक कभी–कभी पैदा किये जाते हैं। विश्व व्यापार संगठन के कारण आज सभी देशों के आपस में व्यापार बढ़े हैं और रिश्तों (Relations) में मजबूती आई है।

उ. 57. बाढ़ की स्थिति में पहला आकस्मिक कार्य बाढ़ से घिरे लोगों के जान की सुरक्षा करना है। इसके अलावे उनके मवेशियों को भी सुरक्षित एवं ऊँचे स्थान पर ले जाने का प्रयास करना चाहिए। इस कार्य के लिए कुशल नाविकों, नावों, रबर के गुब्बारों तथा लाइफ जैकेट्स का पर्याप्त प्रबंधन होना चाहिए।

सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने के बाद लोगों तथा उनके बच्चों के लिए शुद्ध भोजन, स्वच्छ पेयजल तथा गर्म दूध की व्यवस्था करनी चाहिए। छोटे एवं कम स्थान पर सभी लोग मिल–जुल कर रहें, इसके लिए वातावरण बनाना चाहिए।

बाढ़ की समस्या बरसात के समय में ही होती है। अतः बरसात से लोगों को बचाने के लिए पर्याप्त मात्रा में प्लास्टिक की चादरें होनी चाहिए। अधिक दिनों तक जल–जमाव की स्थिति में महामारी फैलने का खतरा रहता है। अतः पर्याप्त मात्रा में दवाओं तथा डॉक्टर की व्यवस्था करनी चाहिए।

उ. 58. भूकम्प के दौरान उठने वाले कंपन को ही भूकंपीय तरंग कहा जाता है। इन्हें मुख्यतः प्राथमिक (P), द्वितीयक (S) तथा दीर्घ (L) तरंग कहा जाता है।

- प्राथमिक तरंगे सबसे पहले सतह पर पहुँचती हैं।
- द्वितीयक तरंगे अनुप्रस्थ तरंगे हैं और उनकी गति प्राथमिक तरंगों से कम होती है।

BiharboardQuestionpaper.com

- दीर्घ तरंगे भूपटलीय स्तर पर उत्पन्न होती हैं। ये तरंगे सबसे धीमी लेकिन सबसे विनाशकारी होती हैं।

उ. 59. सुखाड़ की स्थिति में मिट्टी की नमी बचाए रखने के लिए निम्न कदम उठाने चाहिए।

(क) मिट्टी पर घास एवं अन्य पौधों का आवरण रखना चाहिए।

(ख) वृक्षारोपण के कार्य को बढ़ावा देना चाहिए ताकि बादल आकर्षित हो सकें।

(ग) कम सिंचाई में तैयार होने वाले फसलों को लगाना चाहिए। जैसे–मशरूम, नागफणि, ज्वार–बाजरा एवं अन्य औषधीय पौधे लगाये जा सकते हैं।

(घ) कृषि कार्य में स्प्रिंकल विधि से सिंचाई करनी चाहिए।

इस प्रकार सूखे की स्थिति में भी मिट्टी की नमी बचाये रखते हुए कृषि कार्य किया जा सकता है।

ग्रुप – 'स' (दीर्घ उत्तरीय उत्तर)

उ. 60. भारतीय राजनीति में महात्मा गाँधी का पदार्पण प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान तब हुआ जब वे अफ्रीका से लौट कर आए। उनके द्वारा संचालित तीन सफल सत्याग्रहों में चम्पारण सत्याग्रह, खेड़ा आन्दोलन तथा अहमदाबाद के आन्दोलन ने जल्द ही उन्हें पूरे उत्तर भारत में प्रसिद्ध कर दिया।

प्रथम विश्वयुद्ध के बाद भारतीयों से किया वादा नहीं निभाने तथा रौलेट एक्ट के विरोध में गाँधी जी की अध्यक्षता में एक सत्याग्रह सभा आयोजित की गई। इसी आन्दोलन के दौरान जालियाँवाला बाग हत्याकांड हो गया। इस हत्याकांड से आहत होकर महात्मा गाँधी ने एक व्यापक जन–आन्दोलन की नीति अपनाई तथा असहयोग आन्दोलन प्रारंभ किया। इसके अन्तर्गत सभी सरकारी संस्थाओं, पदों तथा उपाधियों का त्याग करना था। आन्दोलन के मध्य में चौरी–चौरा कांड हो जाने से गाँधी जी ने आन्दोलन को स्थगित कर दिया।

नवम्बर 1927 में गठित साइमन कमीशन के प्रति जनता का व्यापक विरोध तथा हिन्दू–मुस्लिम साम्प्रदायिकता को देखते हुए गाँधी जी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारंभ किया। इस आन्दोलन का प्रारंभ 12 मार्च 1930 को साबरमती आश्रम से दांडी के तट पर पहुँचकर नमक कानून तोड़ने से हुई। इन आन्दोलनों से

BiharboardQuestionpaper.com

बाध्य होकर अंग्रेजी सरकार ने 5 मार्च 1931 को गाँधी जी एवं इरविन के बीच एक समझौता किया।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान महात्मा गाँधी ने एक व्यापक जन–आन्दोलन के लिए जमीन तैयार कर लिया था। अगस्त 1942 में उन्होंने अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा देते हुए एक व्यापक जन–आन्दोलन प्रारंभ किया। इस आन्दोलन में समाज के सभी वर्गों के लोगों, राजनीतिक दलों, क्रांतिकारियों, किसानों एवं महिलाओं का भी अभूतपूर्व सहयोग मिला। गाँधी जी के इस आन्दोलन के दौरान ही अंग्रेजों को ब्रिटिश सरकार के समाप्त हो जाने का भय उत्पन्न हो गया। अंततः उन्होंने 15 अगस्त 1947 को भारत को आजाद करा लिया।

महात्मा गाँधी सिर्फ भारत को आजाद ही नहीं कराये बल्कि वे हिन्दू–मुस्लिम एकता के प्रतीक भी थे। आजादी के पूर्व ही देश के कई हिस्सों में दंगे भड़कने लगे जिसमें गाँधी जी अपनी जान की परवाह किए बिना दंगों को शांत कराने पहुँच जाते थे।

30 जनवरी 1948 की मनहूस सुबह में एक सनकी व्यक्ति ने इस महान आत्मा को गोली मार दी।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत के स्वाधीनता संग्राम के साथ–साथ भारतीय राजनीति में गाँधी जी का अमूल्य योगदान था।

अथवा,

यूरोप में मशीनों के आविष्कार एवं फैक्ट्रियों की स्थापना ने उत्पादन की दर को अत्यधिक तीव्र कर दिया। अब यूरोपीय देशों को ऐसे बाजार की आवश्यकता पड़ी जहाँ वे अपने उत्पादित माल बेच सकें तथा अपने उद्योगों के लिए कच्चे माल प्राप्त कर सकें। इसी क्रम ने उपनिवेशवाद को जन्म दिया। धीरे–धीरे सभी शक्तिशाली यूरोपीय देश कमजोर अफ्रीकी एवं एशियाई देशों को अपना उपनिवेश बनाने की दौड़ में लग गये। यही प्रक्रिया उपनिवेशवाद कहलाती है।

औद्योगीकरण का प्रारंभ ब्रिटेन से माना जाता है। धीरे–धीरे फ्रांस, जर्मनी एवं अन्य यूरोपीय देश भी औद्योगीकरण की प्रक्रिया में शामिल हो गये तथा अपने–अपने देशों में बड़ी–बड़ी फैक्ट्रियाँ स्थापित करने लगे। इन फैक्ट्रियों से तैयार माल को बेचने के लिए बड़े बाजार की जरूरत महसूस हुई क्योंकि केवल यूरोपीय बाजार इन

BiharboardQuestionpaper.com

मालों को नहीं खपा सकते थे। अतः ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली इत्यादि देशों ने अन्य पिछड़े देशों में बाजार की तलाश करना प्रारंभ किया। इस क्रम में अफ्रीका तथा भारतीय उपमहाद्वीप के देशों पर इनकी नजर पड़ी जो इनके उत्पादित माल को खपा सकते थे तथा कच्चे माल की आपूर्ति भी कर सकते थे। धीरे-धीरे वे इन देशों को गुलाम बनाते गये तथा अपना उपनिवेश बनाकर उनका भरपूर शोषण करने लगे।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि औद्योगीकरण ने उपनिवेशवाद को जन्म दिया।

उ. 61. भारत में लौह-अयस्क के कुल भंडार का लगभग 96 प्रतिशत – कर्नाटक, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, झारखण्ड एवं गोवा राज्य में सीमित है जबकि शेष भंडार पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र में स्थित है। इसके वितरण को निम्न क्रम में दर्शाया जा सकता है –

(क) कर्नाटक – कर्नाटक कुल उत्पादन का लगभग एक-चौथाई लौह-अयस्क उत्पादित करता है।

(ख) छत्तीसगढ़ – यह देश का दूसरा सबसे बड़ा लौह-अयस्क उत्पादन करने वाला राज्य है जो लगभग 20 प्रतिशत लौह-अयस्क का उत्पादन करता है।

(ग) उड़ीसा – लौह-अयस्क के उत्पादन में उड़ीसा का तीसरा स्थान है।

(घ) झारखण्ड – झारखण्ड राज्य में लगभग 15 प्रतिशत लौह-अयस्क का उत्पादन किया जाता है। इसमें पूर्वी एवं पश्चिम सिंहभूम, पलामू, राँची, धनबाद एवं हजारीबाग आदि जिले शामिल हैं।

(ङ) गोवा – गोवा में भी लगभग 16 प्रतिशत लौह-अयस्क का उत्पादन होता है। यहाँ की प्रमुख खानें क्यूपेम, सतारी, पौंडा, संग्यूम इत्यादि है।

(च) महाराष्ट्र में चन्द्रपुर, रत्नागिरी तथा भंडारा जिलों में इसकी खानें हैं।

(छ) तमिलनाडु के मल्लई पहाड़ियों (सलेम) तथा नीलगिरि क्षेत्र से लौह-अयस्क निकाले जाते हैं।

इन सबके अलावा भी देश के अन्य भागों में अल्प मात्रा में लौह-अयस्क प्राप्त किया जाता है।

BiharboardQuestionpaper.com

अथवा,

भारत के पूर्वी एवं पश्चिमी तट पर अवस्थित प्रमुख बंदरगाह मानचित्र में निम्न प्रकार है – 1. हल्दिया, 2. विशाखापट्टनम एवं 3. चेन्नई पूर्वी तट पर अवस्थित हैं। जबकि 1. कांडला, 2. मुम्बई एवं 3. कोचीन पश्चिमी तट पर है।

BiharboardQuestionpaper.com

उ. 62. लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का महत्वपूर्ण स्थान है। राजनीतिक दल सरकार के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक दल जीवन के एक अंग बन चुके हैं अर्थात् राजनीतिक दलों के बिना लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। इसलिए इन्हें "लोकतंत्र का प्राण" (Life Blood of Democracy) कहा गया है। लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में दलों का बेहद महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि –

(क) नीतियाँ एवं कार्यक्रम तय करना।

(ख) शासन का संचालन।

(ग) चुनावों का संचालन।

(घ) लोकमत का निर्माण।

(ङ) सरकार एवं जनता के बीच मध्यस्थता का कार्य।

(च) राजनीतिक प्रशिक्षण।

(छ) दलीय कार्य।

(ज) गैर–राजनैतिक कार्य

(झ) सामाजिक कार्य।

राजनीतिक दल नीतियों एवं कार्यक्रमों के आधार पर चुनाव लड़ते हैं। अपने कार्यक्रमों का प्रचार–प्रसार भी करते हैं सत्ता प्राप्ति के बाद सत्ता का संचालन भी करते हैं, वहीं विपक्षी दल सरकार पर नियंत्रण रखता है। लोकतंत्र में जनता की सहमति या समर्थन से ही सत्ता प्राप्त होती है। दलों के द्वारा जनता के विकासात्मक कार्यों को सरकार के सहयोग से प्राप्त करना होता है। राजनीतिक दल न केवल राजनैतिक कार्य करते हैं बल्कि गैर–राजनैतिक कार्य भी करते हैं, जैसे–प्राकृतिक आपदाओं, बाढ़, सुखाड़, भूकम्प आदि के दौरान राहत संबंधी कार्य के साथ–साथ सरकार और जनता के बीच सेतु का भी कार्य करते हैं। इसलिए इन्हें लोकतंत्र का प्राण भी कहा गया है।

BiharboardQuestionpaper.com

अथवा,

सर्वप्रथम हम अपने देश भारत के परिदृश्य को देखें तो भौगोलिक दृष्टिकोण से काफी विशाल जनसंख्या जाति, धर्म, भाषा, संस्कृति के मामले में विविधताओं से भरा है। यानी कहा जा सकता है कि भारतीय चित्र बहुरंगा है। यहाँ अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विविधताओं को पहचान कर उसकी मान्यताएँ देनी होगी, तभी हम संघीय व्यवस्था के मूल्यों को कायम रखने में सफल हो सकेंगे। संघीय व्यवस्था राष्ट्रीय एकता के मूल्यों के संवर्धन में क्षेत्रों और भाषा–भाषी लोगों की सत्ता में सहभागिता की व्यवस्था करनी होती है जिससे असंतोष की भावना न जागृत हो सके। सभी लोगों को एक समान स्वशासन का अवसर मिलना चाहिए, इसके लिए शासन की शक्तियों को स्थानीय और केन्द्रीय सरकारों के बीच बाँटने की आवश्यकता होती है। भारत बहुत लम्बे समय से विदेशी शासन के अधीन रहा है। यहाँ का सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक दृष्टिकोण से भी यह बहुत सक्षम नहीं था। छोटे–छोटे कई राज्य में एकात्मक सरकार की स्थापना की जाती तो संभवतः वे साम्राज्यवादी शक्तियों से अपनी रक्षा नहीं कर पाते। आजादी के समय 563 देशी रियासतों को यह अधिकार दिया था कि वे भारत या पाकिस्तान में से किसी एक में शामिल हो। यानी कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय एकता कायम रखने के लिए संघीय शासन व्यवस्था में जाति–धर्म, मूल, सम्प्रदाय से ऊपर उठकर समान रूप से सभी को अवसर प्रदान कर मूल्यों का निरन्तर विकास किया जा सकता है।

उ. 63. वैश्वीकरण का बिहार के जनजीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा हैं। वैश्वीकरण के कारण बिहार का आर्थिक परिवेश भी बदलता जा रहा है। अन्य राज्यों की तरह बिहार में भी अधिक पूँजी निवेश की आवश्यकता है। वैश्वीकरण के वर्तमान युग में उपभोग एवं उत्पादन के क्षेत्र में पूरी दुनिया एक देश हो गया है।

बिहार के आर्थिक व्यवस्था पर वैश्वीकरण का कुछ सकारात्मक प्रभाव पड़ा है जो निम्न है –

(क) कृषि उत्पादन में वृद्धि

(ख) निर्यातों में वृद्धि

(ग) विदेशी प्रत्यक्ष विनियोग की प्राप्ति

BiharboardQuestionpaper.com

(घ) शुद्ध राज्य घरेलु उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि

(ङ) विश्वस्तरीय उपभोक्ता वस्तुओं की प्राप्ति

(च) रोजगार में वृद्धि

(छ) बैंकिंग एवं सेवा क्षेत्र में वृद्धि

हम कह सकते हैं कि वैश्वीकरण के फलस्वरूप बिहार से किये गये निर्यातों में वृद्धि के साथ–साथ कृषि उत्पादन प्रति एकड़ उपज में वृद्धि हुई है, क्योंकि नए कृषि यंत्रों के साथ–साथ तकनीक का भी प्रयोग बढ़ा है। विश्वस्तरीय सेवा एवं उपभोग की वस्तुएँ आसानी से उपलब्ध हो जाती है। बिहार की अर्थव्यवस्था को गति मिली है जो प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि का मुख्य कारण है। भारतीय कंपनियों के साथ मिलकर संयुक्त कंपनी के साथ वस्तुओं के उत्पादन से आय में वृद्धि हुई है और सरकार को बिहार के आधारभूत संरचना को विकसित करने में मदद मिली है। वैश्वीकरण के कारण बिहार की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है।

अथवा,

भारत में व्यावसायिक बैंक का अर्थव्यवस्था में बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। व्यावसायिक बैंक विभिन्न प्रकार के कार्यों के द्वारा समाज एवं राष्ट्र की सेवा करते हैं। व्यावसायिक बैंक के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं –

(क) जमा राशि को स्वीकार करना।

(ख) ऋण प्रदान करना।

(ग) सामान्य उपयोगिता संबंधी कार्य।

(घ) एजेन्सी संबंधी कार्य।

उपरोक्त बिन्दुओं की व्याख्या निम्न प्रकार है –

(क) जमा राशि को स्वीकार करना – बैंक अपने ग्राहकों से जमा के रूप में मुद्रा प्राप्त करती है। अधिकांश व्यक्ति अपनी आय का उपभोग करने के बाद बचत राशि को बैंकों में जमा करते हैं। लोग अपनी राशि को चोरी के भय या ब्याज कमाने हेतु भी जमा कराते हैं।

(ख) ऋण प्रदान करना – व्यावसायिक बैंक का दूसरा मुख्य कार्य लोगों को ऋण प्रदान करना है। बैंक के पास जो रूपया जमा के रूप में आता है उसमें से एक

BiharboardQuestionpaper.com

निश्चित राशि नकद कोष में रखकर बाकी को ऋण के रूप में देता है जो अल्पकालीन ऋण या दीर्घकालीन ऋण के रूप में होता है।

(ग) सामान्य उपयोगिता संबंधी कार्य – उपरोक्त कार्यों के अलावा बैंक अन्य कार्य भी करती है। जैसे – (1) यात्री चेक जारी करना, (2) साख प्रमाण पत्र जारी करना, (3) लॉकर की सुविधा, (4) ATM/क्रेडिट कार्ड जारी करना।

(घ) एजेन्सी संबंधी कार्य – इसके अंतर्गत (1) चेक, बिल, ड्राफ्ट का संकलन, (2) ब्याज, लाभांश का वितरण एवं संकलन, (3) ब्याज, ऋण की किस्त, बीमे की किस्त का भुगतान, (4) प्रतिभूतियों का क्रय–विक्रय, (5) ड्राफ्ट का हस्तांतरण। इससे प्रतीत होता है कि व्यावसायिक बैंकों की विशेष प्रधानता है।

(नोट :– मुद्रण में संगणक एवं मानवीय भूल संभव है।)

BiharboardQuestionpaper.com

बिहार बोर्ड के नए और पुराने ऑफिसियल क्वेश्चन पेपर, मॉडल पेपर, आंसर-की, पाठ्यक्रम, नोट्स, मॉक टेस्ट, सेंट-अप और प्रैक्टिकल परीक्षा प्रश्न पत्र आदि के लिए...

BiharboardQuestionpaper.com

अभी विजिट करें ..

BiharboardQuestionpaper.com